(घ) क्या सरकार ने भविष्य में इस परियोजना के निर्माण में और विलम्ब न होने देने के लिए सावधानी के तौर पर कुछ कदम उठाए हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और इस परियोजना के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए अभी कितनी और धनराशि की आवश्यकता अनुमानित है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) राज्य सरकार ने आकलन किया है कि निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन परियोजना के पूरा करने का समय 10वीं योजना तक बढ़ जाने की संभावना है ।

(ख) समय के साथ परियोनाओं की लागत में वृद्धि होना एक सामान्य घटना है जल मार्गों को पक्का करने के निर्माण से परियोजना के कार्य-क्षेत्र में बदलाव, परियोजना कार्यकलापों के एक भाग के रूप में सड़कों, बाजरों, पेयजल आपूर्ति, वनरोपण और अन्य कमान विकास कार्यों जैसे अन्य विभिन्न कारणों से भी इंदिरा गांधी नहर परियोजना की लागत बढ़ गयी है ।

(ग) राज्य सरकार ने नहर और कमान क्षेत्र विकास कार्यों तथा जल मार्गों को पक्का करने के वास्ते संशोधित अनुमान को अंतिम रूप नहीं दिया है ।

(घ) नहर और कमान विकास कार्यों के लिए समय समय पर इस परियोजना को प्रदान की गयी उदार केन्द्रीय सहायता निम्नवत है :—

करोड़ रुपए

	सातवीं योजना के अंत तक	1990–91	1991–92
1. कमान क्षेत्र विकास के लिए केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम के अंतर्गत जल मार्गों के लिए	45.60	19.99	14.12
2. नहर कार्यों के लिए			
(क) अग्रिम योजना सहायता	45.00	—	—
(ख) सूखा राहत सहायता	20.00	—	—
(ग) सीमा क्षेत्र विकास अनुदान	60.70	28.60	27.80
नहर कार्यों के लिए कुल	125.70	28.60	27.80

(ङ) राज्य सरकार द्वारा परियोजनाओं का संशोधित अनुमान प्रस्तुत करने के बाद ही परियोजना को पूरा करने के लिए निधियों की भावी आवश्यकताओं के संबंध जाना जा सकेगा ।

नहरों को जोड़ने के लिये राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी द्वारा किया गया सर्वेक्षण

1609. श्री आर० के० पोद्दार :

श्री राम जेठमलानी :

क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कुछ नदियों को एक दूसरे से जोड़ने के उद्देश्य से राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी द्वारा एक विस्तृत अध्ययन किया गया हैं ;

(ख) यदि हां, तो उक्त अध्ययन में शामिल देश की नदियों के नाम क्या है, जिनको प्राथमिकता के आधार पर एक दूसरे से जोड़ने का प्रस्ताव किया गया है ;

(ग) क्या एजेंसी ने नदियों को एक दूसरे से जोड़ने की प्रस्तावित परियोजना की कोई प्रारम्भिक रूपरेखा तैयार कर ली हैं; और

(घ) यदि हां, तो किन किन नदियों को इन परियोजनाओं में शामिल किए जाने का विचार है और इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन के संबंध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है?

जल संसाधन मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) सरकार द्वारा तैयार की गयी जल संसाधन विकास हेतु राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में जल की कमी वाले क्षेत्रों में अधिशेष जल का अंतरण करने के लिए प्रायद्वीपीय क्षेत्रों की मुख्य नदियों के बीच तथा हिमालयाई नदियों के बीच अलग-अलग अन्तःसम्पर्क को परिकल्पना की गयी है। राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण ने प्रायद्वीपीय घटक का विस्तृत अध्ययन शुरू किया है।

(ख) प्रायद्वीपीय नदी विकास घटक के अंतर्गत चार उप घटक हैं जिनमें निम्नलिखित नदियां शामिल हैं :—

(1) महानदी, गोदावरी, कृष्णा, पेन्नार, कावेरी, वैगई

(2) दमनगंगा, तांसा, पार, तापी, नर्मदा

(3) केन, बेतवा, कालीसिंध, चम्बल

(4) पम्बा, अचनकोविल, वैगई।

(ग) और (घ) निम्नलिखित नौ सम्पर्कों की प्रारम्भिक व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी की गयी हैं। ये निम्नवत हैं :—

(1) महानदी (मणिभाद्रा)—गोदावरी (दौलाईस्वरम) सम्पर्क

(2) केन-बेतवा सम्पर्क.

(3) पम्बा अचनकोविल-वैगई सम्पर्क केरल की पश्चिमी प्रवाही नदियां)

(4) पार-तापी-नर्मदा सम्पर्क

(5) गोदावरी - (पोलावरम) – कृष्णा (विजयवाड़ा) सम्पर्क

(6) कालीसिंध-चम्बल सम्पर्क

(7) गोदावरी (इंचमपल्ली)—कृष्णा (पूलीचिन्ताला) सम्पर्क

(8) दमनगंगा-तांसा सम्पर्क और

(9) गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुनसागर) सम्पर्क ।

ये रिपोर्टें संबंधित राज्य सरकारों को उनकी टिप्पणियों के लिए भेज दी गयी हैं। जल अन्तरण सम्पर्कों का क्रियान्वयन इस बात पर निर्भर करता है कि विस्तृत परियोजना रिपोर्टें कितनी जल्दी तैयार की जाती हैं और उन विस्तृत परियोना रिपोर्टों पर बेसिन राज्यों के बीच मतैक्य/करार कब होता है ।

बांग्ला देश से जल का बंटवारा करना

1610. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा** :

श्री राम जेठमलानी :

क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने कि कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बांग्ला देश और भारत दोनों से होकर बहने वाली नदियों की संख्या 54 है;

(ख) यदि हां, तो क्या इन नदियों के/जल के बंटवारे के लिए बांग्ला देश के साथ किसी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं,

(ग) यदि नहीं तो उन नदियों की संख्या कितनी है जिन पर अब भी विवाद चल रहा है;

(घ) क्या इन विवादों के हल करने के लिए प्रयास किए गए हैं, यदि हां तो कब-कब और उनका क्या परिणाम निकला; और

(ङ) क्या सरकार भविष्य में सभी जल विवादों के निपटारे के लिए किसी एक मुश्त समझौते पर विचार कर रही है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

जल संसाधन मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) :

(क) बंगला देश ने भारत बंगला देश सीमा को पार करने वली 54 नदियां अभिज्ञात की